सत्यमेव जयते
भारत सरकार
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

GOVERNMENT OF INDIA

**NATIONAL COMMISSION FOR SCHEDULED TRIBES**

File No. Tour Programme/BHEL/VC/25/2017/RU-III

6th floor, B Wing Loknayak Bhawan,
Khan Market,
New Delhi-110003

Dated: 29th November, 2017

To,

The Chairman & Managing Director,
Bharat Heavy Electricals Limited,
Siri Fort,
New Delhi- 110049

Sub: Tour Report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, National Commission for Scheduled Tribes (NCST) to BHEL, Haridwar (Uttarakhand) from 13th October, 2017 to 15th October, 2017.

Sir,

I am directed to enclose herewith copy of tour report of Miss Anusuiya Uikey, Hon'ble Vice-Chairperson, NCST to BHEL, Haridwar (Uttarakhand) from 13th October, 2017 to 15th October, 2017 for compliance.

It is requested to take action on the recommendations of the Commission and submit action taken report within a month's time.

Yours faithfully,

(R. K. Dubey)
Assistant Director

Copy for information and necessary action to:

1. NIC, NCST uploaded on the web site.

**राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार**
**सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष**

का दिनांक 13 से 15 अक्तूबर 2017 तक हरिद्वार, उत्तराखंड का क्षेत्रीय दौरा।

**दौरा रिपोर्ट :**

| | | |
|---|---|---|
| **1.** | दौरा करने वाले पदाधिकारी का नाम | 1. सुश्री अनुसुईया उइके, उपाध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार<br>2. श्रीमती के. डी. बंसौर, निदेशक,राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार<br>3. श्री गौरव कुमार, उपाध्यक्ष के निजी सचिव |
| **2.** | दौरे की तिथि (दिन/माह/वर्ष) | 13 से 15 अक्तूबर 2017 |
| **3.** | दौरा किया गया स्थान | हरिद्वार, उत्तराखंड |
| **4.** | मुख्य व्यक्ति / अधिकारीगण / संगठनों से मिले | 1. श्री एस. के. अग्रवाल, महाप्रबंधक, बी. एच. ई. एल.<br>2. श्री सुभाष कांडियांग, अपर महाप्रबंधक, बी. एच. ई. एल.<br>3. श्री एम. के. टोलिया, अपर महाप्रबंधक, बी. एच. ई. एल.<br>4. श्री के. एस. राणा. अपर महाप्रबंधक, बी. एच. ई. एल.<br>5. श्री बी. एस. राणा. अपर महाप्रबंधक, बी. एच. ई. एल.<br>6. श्री विराज मिंज, महासचिव, अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल.<br>7. श्रीस्वराज सिंह, अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल.<br><br>एवं बी. एच. ई. एल. के जनजाति वर्ग के अधिकारी, कर्मचारी आदि। |

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

| | |
|---|---|
| 5. | **दौरा के मुख्य बिन्दु** :अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. हरिद्वार के द्वारा संस्थान मे अनुसूचित जनजाति समुदाय के कर्मचारियों की समस्याओं का अवलोकन और वस्तुस्थिति की जांच करना। अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा आयोजित कार्यक्रम और मिलन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लिया।<br><br>(भ्रमण के दौरान चर्चा किए गए प्रमुख मुद्दे) |

**दिनांक 14.10.2017 शनिवार**

1. **हरिद्वार**आगमन,बी. एच. ई. एल. अतिथि गृह मे जनजातीय कर्मचारियों,प्रतिनिधियों, के साथ बैठक कर उनकी समस्याएँ सुनी, औरउनके कार्यस्थल और बी. एच. ई. एल. मे उनसे संबन्धित विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर चर्चा की।

**अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा नवनिर्मित जनजाति कल्याण भवन का उदद्घाटन करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और निदेशक श्रीमती के. डी. बंसौर**

2. अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा बी. एच. ई. एल. परिसर मे नवनिर्मित जनजाति कल्याण भवन का उदद्घाटन किया। इस दौरान कार्यक्रम मे उपस्थित जनजाति समूह को संबोधित करते हुये आयोग की कार्यप्रणाली, आयोग के अधिकार की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही जनजाति समाज के

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes

अधिकारों की रक्षा,सुरक्षा, उनके विकास और सशक्तीकरण के लिए आयोग द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों के विषय मे जानकारी दी। उन्हे बताया गया कि भारतीय संविधान के तहत गठित इस आयोग का उद्देश्य जनजाति समाज के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हे उत्पीड़न व अत्याचार से बचाना है। उन्हे संविधान द्वारा आयोग को प्रदत शक्तियों के विषय मे भी बताया गया।

**बी. एच. ई. एल. अधिकारियों और अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियोंके साथ चर्चा करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और निदेशक श्रीमती के. डी. बंसौर**

3. बी. एच. ई. एल. अतिथि गृह मे बी. एच. ई. एल. अधिकारियों और अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों की संयुक्त बैठक की। इस दौरान जनजाति समाज के कर्मचारियों ने कई वर्षो से लंबित समस्याओं के प्रति जानकारी प्रस्तुत की। उन्होने अवगत कराया कि बी. एच. ई. एल. की स्थापना से आज तक नियमित रूप से जनजाति वर्ग का एक भी महाप्रबंधक पद प्राप्त नही किया है। साथ ही पदोन्नति के लिए 2017 मे गठित डी. पी. सी. मे कोई भी अनुसूचित जनजाति वर्ग का सदस्य शामिल नही था। इसके अतिरिक्त बी. एच. ई. एल. मे कार्यरत कुछ जनजाति वर्ग के कर्मचारियों जिनका अभ्यावेदन आयोग मे है उस पर भी चर्चा की गई और बी. एच. ई. एल. प्रबंधन को इस मामले मे उचित सुझाव दिये गए। साथ ही उनकी समस्याओं पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया तथा उसके निराकरण की दिशा मे अधिकारियों को तत्सम्बंधीसुझाव और निर्देश दिये गए। जनजाति समाज की समस्याओं के प्रति अवगत कराया और

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India

अधिकारियों को इसे दूर करने की सलाह दी।

अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिलन समारोह कार्यक्रम का उददघाटन करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और निदेशक श्रीमती के. डी. बंसौर

अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिलन समारोह मे प्रतिभाशाली छात्रा को सम्मानित करते हुये माननीय उपाध्यक्ष सुश्री अनुसूइया ऊईके और निदेशक श्रीमती के. डी. बंसौर

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi

| | |
|---|---|
| | 4. अनुसूचित जनजाति वेलफ़ेयर एंड केयर एसोसिएशन, बी. एच. ई. एल. द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिलन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाग लिया। इस कार्यक्रम मे देश के विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से संबन्धित कर्मचारियों ने अपने अपने राज्यों के जनजातीय लोककला, नृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतीकरण दी। साथ ही देश के हर जनजाति बहुल राज्य की संस्कृति और परंपरा के विषय मे चर्चा की गई, ताकि भावी पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपरा के प्रति जागरूक हो और उसमे रुचि रखे। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों मे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले बी. एच. ई. एल. के जनजाति समाज के कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया गया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम और मिलन समारोह का एक प्रमुख उद्देश्य यह था कि यहाँ काम कर रहे जनजाति समाज के कर्मचारी जो विभिन्न राज्यों से आते हैं उनके परिवार और कर्मचारी आपस मे सांस्कृतिक अंतःक्रिया कर सकें और अपनी विशिष्ट संस्कृति से एक दूसरे को अवगत करा सकें। साथ ही साथ एक दूसरे के बच्चे भी इस विरासत को सीख सकें और उसका प्रवाह उनके जीवन मे भी संचित रहे। |
| | **अनुवर्ती कार्यवाई किया गया एवं किसके द्वारा:**<br>(जिसके साथ मुद्दे पर एन. सी. एस. टी. अधिकारियों द्वारा अनुवर्ती कार्यवाई की जानी है, उस अधिकारी के नाम और पदनाम के साथ विनिर्दिष्ट सिफ़ारिशों का उल्लेख किया जाय) |
| | बी. एच. ई. एल. महाप्रबंधक और अन्य संबन्धित वरिष्ठ अधिकारियों का जनजाति समाज के कर्मचारियों की कई वर्षों से लंबित समस्याओं के प्रति ध्यान आकृष्ट करते हुये उसके निराकरण की दिशा मे तत्सम्बंधी सुझाव और निर्देश दिये गए। महाप्रबंधक को सुझाव दिया गया कि डी. पी. सी. मे व्याप्त विसंगतियों को दूर करें। साथ ही प्रति तीन माह मे एक बैठक जनजाति समाज के कर्मचारियों के साथ होनी चाहिए ताकि उनकी समस्याओं का निवारण ससमय और समुचित तरीके से हो सके। बी. एच. ई. एल. मे सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत आरती मीणा और इंजीनियर के पद पर कार्यरत परीक्षित कुमारके पदोन्नति तथा तेनजिंग नौसांग के अवार्ड के मामले मे भी प्रबंधन को तत्काल उचित कार्यवाई करने को कहा गया। इसके अलावा जनजाति समाज की बी. एच. ई. एल. से संबन्धित अन्य समस्याओं के प्रति अवगत कराया गया और उपस्थित सभी संबन्धित अधिकारियों को इसे दूर करने की सलाह दी।<br><br>**सुश्री अनुसुईया उइके**<br><br>**(दौरा करने वाले पदाधिकारी का हस्ताक्षर)** |

सुश्री अनुसुईया उइके/Miss Anusuiya Uikey
उपाध्यक्ष/Vice Chairperson
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
National Commission for Scheduled Tribes
भारत सरकार/Govt. of India
नई दिल्ली/New Delhi